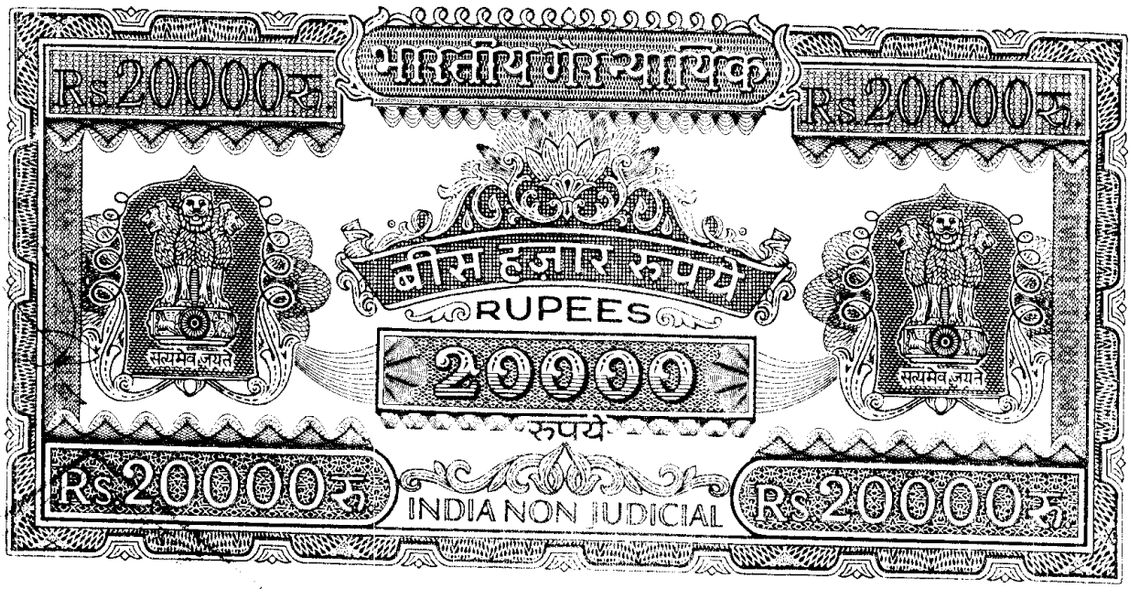

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

की तारीख में बदले अंकन - 49,30,625/- रुपये (उडन्चास लाख तीस हजार छः सौ पच्चीस रुपये मात्र) जिसके आधे अंकन - 24,65,312.50 रुपये होते है, में हाथ द्वितीय पक्ष केता फर्म/कम्पनी उपरोक्त को विकय कर दी और कुल

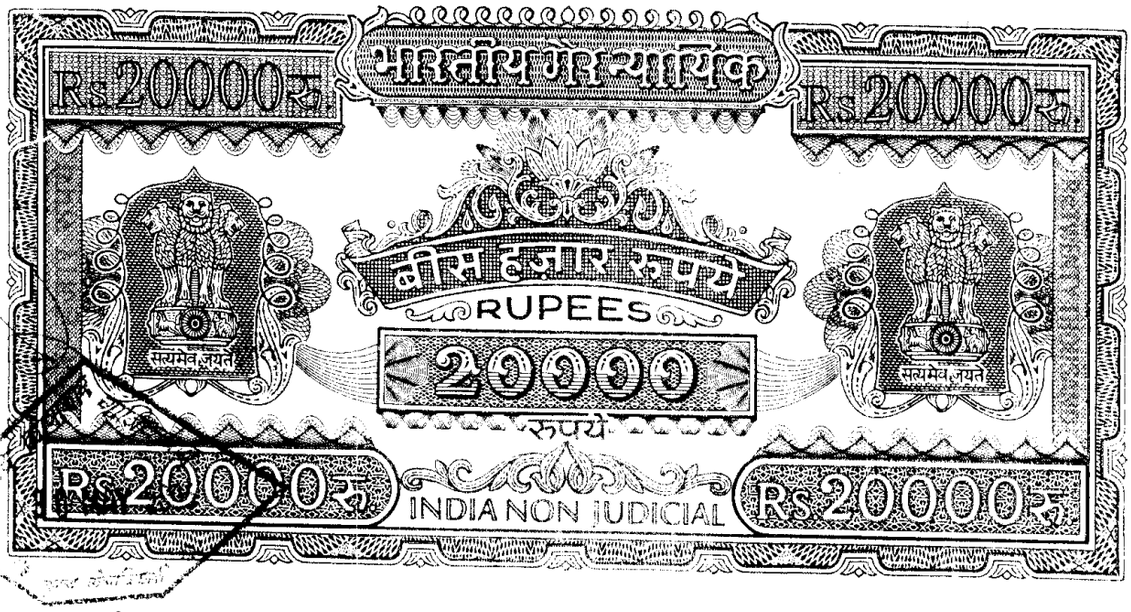

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

कीमत मुझ प्रथम पक्ष निष्पादक ने द्वितीय पक्ष केता फर्म/कम्पनी से निम्न विवरणानुसार प्राप्त कर ली है। इस प्रकार बाबत कीमत कुछ बाकी नही रहा है। विक्रय भूमि का बैनामा विक्रेता व केता के वर्णनानुसार लिखा गया है, अधिवक्ता/दस्तावेज लेखक का अपना कोई कथन नही

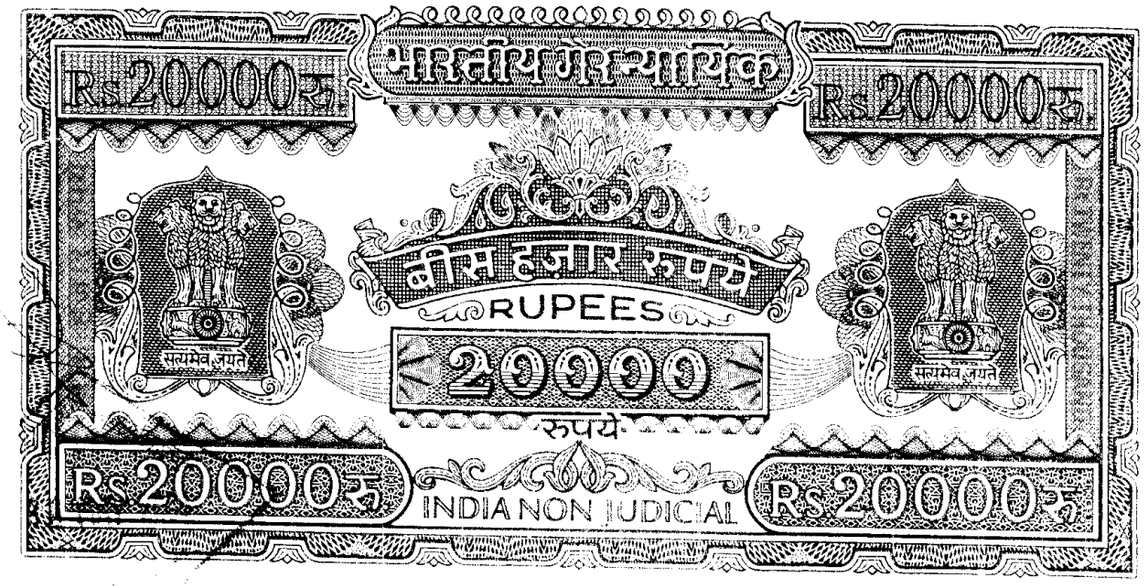

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

है। भूमि की निर्धारित आवासीय दर 1,000/- प्रति वर्गमीटर है, स्टाम्प डयूटी वास्तविक पर नियमानुसार अदा की जा रही है। विकेता व केता ने पढकर, सुनकर व समझकर विकय पत्र पर हस्ताक्षर किये है। अब इकरार यह कि उपरोक्त भूमि को मिलकियत उसके मूल्यधन तथा किसी

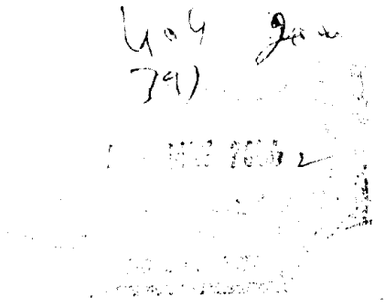

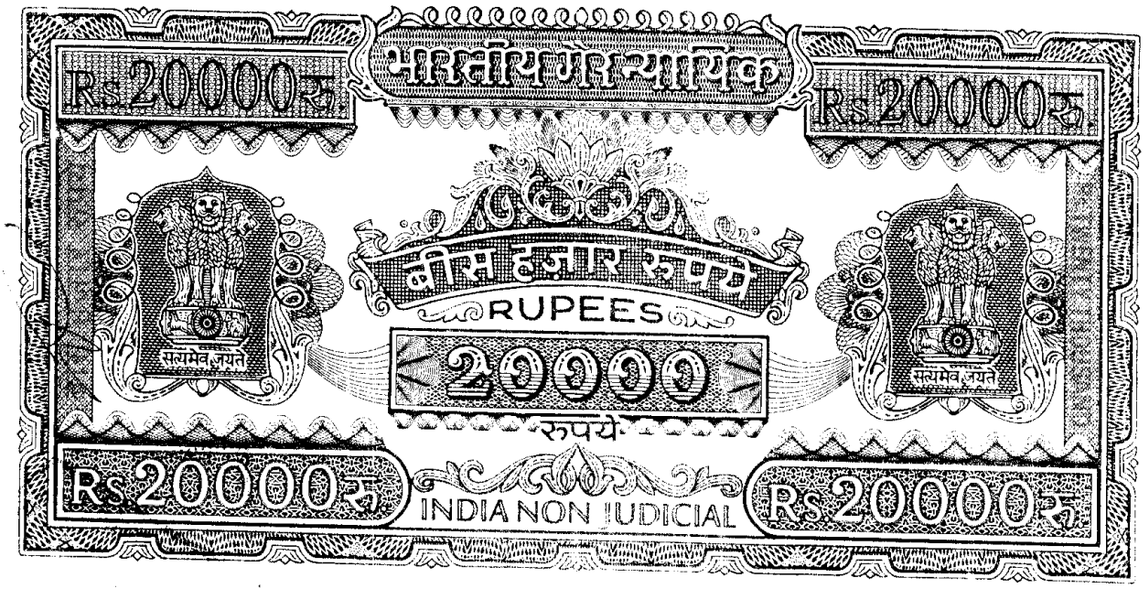

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(21)

अंग से मुझ विकेता फर्म अथवा मेरे किसी भी वारिसान अथवा प्रतिनिधि का कोई सम्बन्ध बाकी नही रहा है, न आइन्दा होगा। कब्जा मौके पर पूर्ण व वास्तविक रूप से द्वितीय पक्ष फर्म/कम्पनी उपरोक्त का करा दिया है, अब द्वितीय पक्ष फर्म/कम्पनी उपरोक्त भूमि के पूर्ण रूप से मालिक काबिज हो गये है, जिस प्रकार चाहे अपने प्रयोग

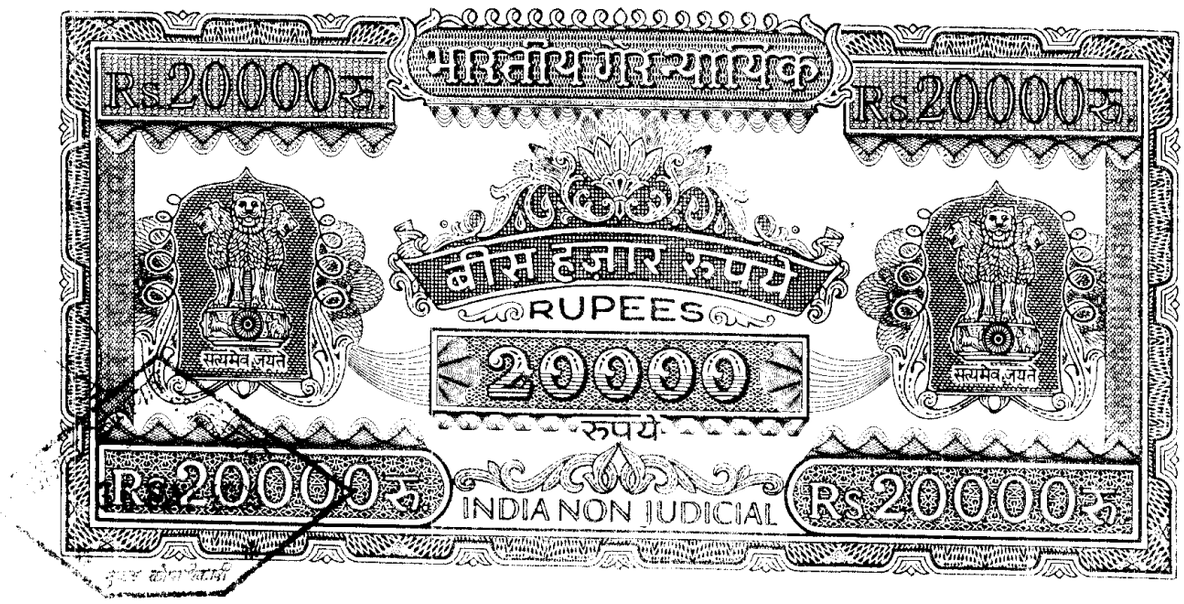

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

मालिकाना में लाकर लाभ उठावें, स्वयं कृषि करे, अथवा किसी प्रकार का निर्माण अथवा कालोनी इत्यादि का निर्माण स्वयं अथवा किसी अन्य से कराये, किसी प्रकार का विकय पत्र आदि करे अथवा विकय करने का अनुबन्ध पत्र करे, गरज यह कि उक्त भूमि के विषय में जो मालिकाना अधिकार प्रथम पक्ष फर्म को प्राप्त थे, वे समस्त अधिकार

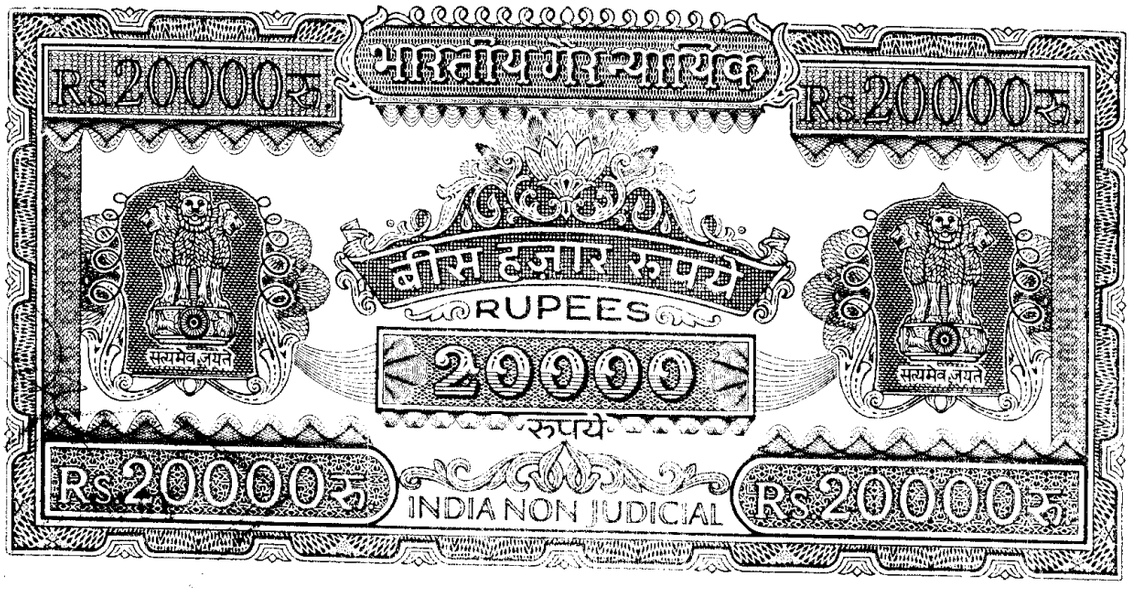

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

द्वितीय पक्ष केता फर्म/कम्पनी को प्राप्त हो गये है। समस्त राजपत्रों में द्वितीय पक्ष अपना नाम इस विक्रय पत्र के आधार पर स्वयं दर्ज करा ले, इस विक्रय पत्र का व्यय द्वितीय पक्ष ने स्वयं वहन किया है, पक्षकारान के मध्य कोई इकरारनामा महायदाबय पंजीकृत नही हुआ है। अब इकरार यह है कि अगर बावजह बेइस्तहकाकी विकेता फर्म

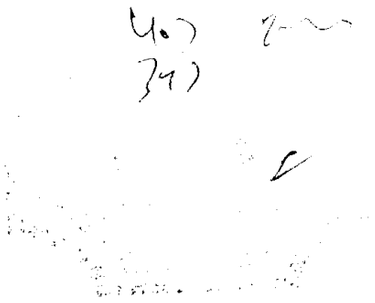

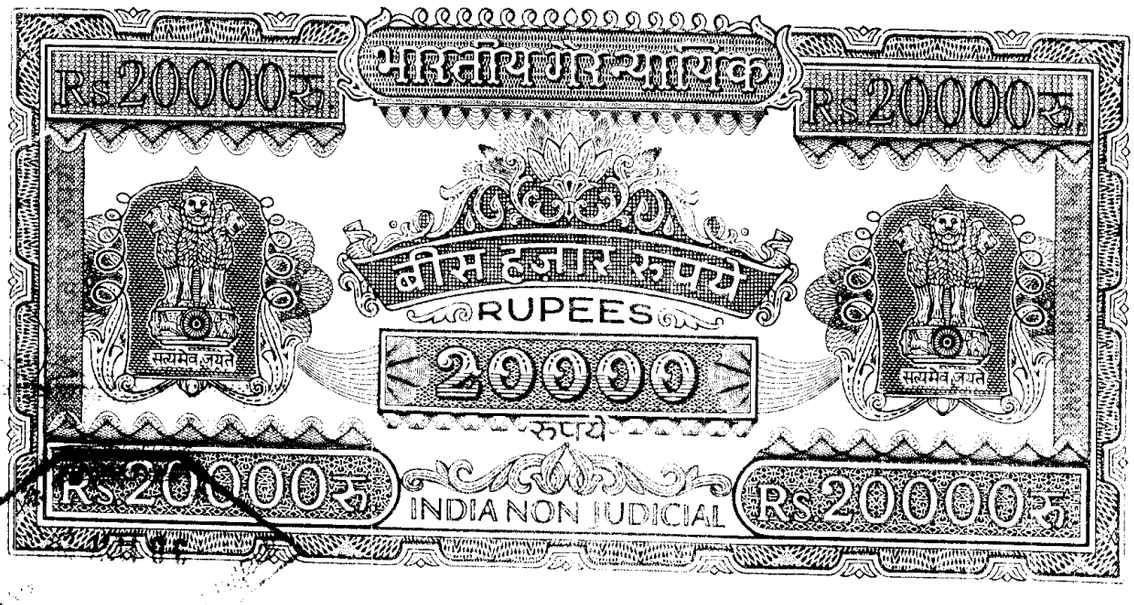

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

के या बदावेदारी किसी सहीम व शरीक के विक्रय की जाने वाली भूमि कुल अथवा उसका कोई भाग कब्जे या अधिकार केता से निकल जावेगा तो हर ऐसी दशा के उपस्थित होने पर फर्म विकेता समस्त विक्रय धन की वापसी का मय हर्जे-खर्चे सूद कानूनी के हिसाब से जिम्मेदार रहेंगे। उपरोक्त भूमि के विषय में भू राजस्व पाधिकारी अथवा अन्य द्वारा

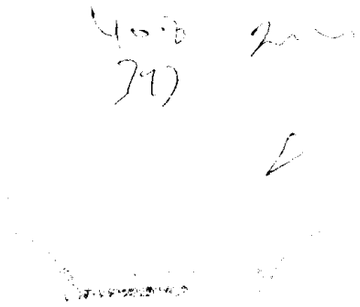

5000Rs.

इस विकय पत्र से सम्बन्धित भूमि के रजिस्ट्रेशन के दिनांक तक की कर आदि की किसी भी देनदारी का दायित्व भूमि विकेतागण को होगा और इसके पश्चात समस्त जिम्मेदारी केता कम्पनी की होंगी।

अतः यह विकय पत्र कतई लिख दिया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवें।

16 ৩০।৫।৬

আমরা সকলপর্ণ গ্রাম [illegible]

[illegible] [illegible]

৭

[illegible] পাঠক

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

<u>*विवरण वसूलयाबी:*</u> -

अंकन 49,30,625/- *रूपये द्वारा चैक नं०* 786507 *दिनांक* 10-06-2006 *जो इण्डियन ओवरसीज बैंक की शाखा पार्लियामेन्ट स्ट्रीट नई दिल्ली के खाते से जारी है, प्राप्त किये, इस प्रकार कुल धनराशि प्राप्त की तथा*

17/16

30/5/6

[illegible]

[illegible]

5004

7

[illegible]

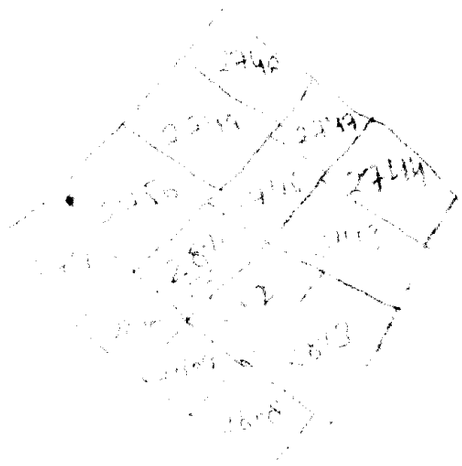

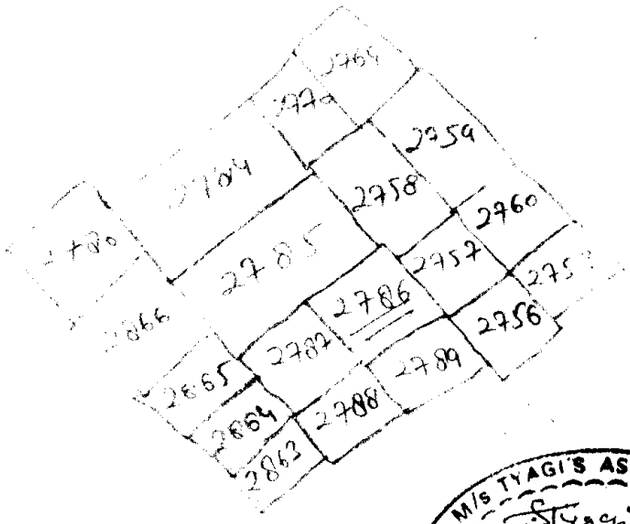

M/S TYAGI'S ASSOCIATE
H.P.D.A. Lic. No. 18
CH. No. 53
TEH. COMPOUND.

[illegible] सं० [illegible]
[illegible]
[illegible] प्रथम
[illegible]जियाबाद

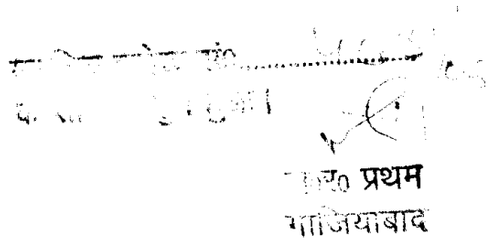

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs.5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

कुछ भी शेष नही रहा है।

गवाह :- [illegible]

गवाह :- [illegible]

दिनांक:- 31-05-2006 मसौदा चौधरी बह्मपाल सिह वीरभान, दस्तावेज लेखक, अनुज्ञा पत्र संख्या- 85/89, चैम्बर नं0 53, तहसील कम्पाउण्ड गाजियाबाद।

01/6/06